



प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

प्रधान कार्यालय

कम्बर्ज-400021, दिनांक 4 अप्रैल 1995

स० पी० आई० अर० (आ०) एम० ए० एच०—यैक कारी
कंपनी (उपक्रमा का अर्जन एवं अन्तरण) अधिनियम, 1970
का 5/1980 (1980 का 40) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त अधि-
कारों का प्रयोग करते हुए बैंड आफ इण्डिया का 'सेशन दोर्ब'
भारतीय रिजर्व बैंड के परामर्श से और 'सेशन गवर्नर' की परामर्श
लेकर बैंड आफ इण्डिया अधिकारी सेवा, विनियम, 1979 में
बैर संशोधन करने हेतु निम्नलिखित विनियम बनाता है।

* शिक्षण शीर्षक और आरम्भ होने की तारीख - -

- (1) यह विनियम 1955-56 में अतिरिक्त संशोधन विनियम, (संशोधित) विनियम 1955-56 में संशोधित।
- (2) यह विनियम 1955-56 में अतिरिक्त संशोधन विनियम, (संशोधित) विनियम 1955-56 में संशोधित।

1-119 GI'95

2 निम्नलिखित विनियमों में किये संशोधन के न्यायों अङ्क-
लग्नक "ए" में हैं ।

- (1) विनियम 23 (8) (कार्य-विभाजन भत्ता) ।
 (2) विनियम 41 (4) (विराम भत्ता) ।
 (3) विनियम 44 (2) (एल० टी० सी० पर होतें हुए सी०
 एल० का नक्षीकरण) ।

ए० आर० सरदेसाई
सहायक महाप्रबन्धक
(कार्मिक)

स्टेट बैंक आफ इन्डियन

प्रधान कार्यालय

1995

साथ यह सूचित किया जाता है कि स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया की शाखाओं के 34 वरिष्ठ अधिकारी गंगा नगर निगम निवृत्त

कार्य हेतु, रवीन्द्र नाथगृह, रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर पर शुक्रवार दिनांक 21-7-1995 को प्रातः 11.30 बजे (मानक समय) आयोजित की जाएगी।

अनुलग्नक "ए"

संशोधित विनियम

"31 मार्च 1995 को समाप्त हुए वर्ष 1494 से 313955 के लिए ब्रेक का तुलनात्मक लाभ हासिल होता, इसी वर्ष के लिए ब्रेक के कामकाज पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलनात्मक लाभ पर लेगा परीक्षण की रिपोर्ट प्राप्त करना।"

निदेशक मंडल के आदेश से

डी० सी० साधी

प्रबन्ध निदेशक

23 (3) 1-1-1990 को और उसके बाद से यदि उसका कार्यसमय दिन के दो भागों में बंटा हुआ है और कार्य-समय को इस विभाजन में कम से कम दो घंटों का अन्तराल है तो उसे रु० 35/- प्रति माह विभाजित कार्य-समय भत्ता दिया जाएगा।

41 (4) 1-6-1991 को और उसके बाद से नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ 1 में वर्णित श्रेणी/बेतनमान का अधिकारी स्तम्भ 2 में वर्णित तदनुसूची दरों से विराम भत्ता पाने का हकदार होगा।

(1)

अधिकारियों की श्रेणी बेतनमान

बेतनमान IV और उससे ऊपर के अधिकारी
बेतनमान I/II/III के अधिकारी

परन्तु

(क) यदि अनुपस्थिति की कुल अवधि 8 घण्टों से कम किन्तु 4 घण्टों से अधिक है तो ऊपर बताई गई दरों की आधी दर से विराम भत्ता देय होगा।

(2)

दैनिक भत्ता (रुपये)

प्रमुख "ए" वर्ग के नगर	क्षेत्र 1	अन्य स्थान
120.00	100.00	85.00
100.00	85.00	75.00

(ख) विभिन्न श्रेणियों/बेतनमानों के अधिकारियों को होटल के वास्तविक खर्च की प्रतिपूर्ति की जा सकती है जो नीचे बताई गई सीमा तक भारतीय पर्यटन विकास निगम के होटलों में एकल आवास के प्रभारों तक सीमित होंगी।

अधिकारियों की श्रेणी/बेतनमान

(1)

बेतनमान VI और VII
बेतनमान IV और V
बेतनमान II और III

बेतनमान I

आवास खर्च (रुपये)

ठहरने की पात्रता	प्रमुख "ए" वर्ग के नगर	क्षेत्र 1	अन्य स्थान
(2)	(3)	(4)	(5)
4*होटल	120.00	100.00	85.00
3*होटल	120.00	100.00	85.00
2*होटल	100.00	85.00	75.00
(अवातानुकूलित)			
1*होटल	100.00	85.00	75.00
(अवातानुकूलित)			

(ग) यदि आवास बैंक के स्तर पर उपलब्ध कराया गया है/ बैंक द्वारा निःशुल्क आवास की व्यवस्था की गई है तो तीन चौथाई विराम भत्ता दिया जाएगा।

(घ) यदि भोजन बैंक के स्तर पर उपलब्ध कराया गया है/ बैंक द्वारा निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है तो आधा विराम भत्ता दिया जाएगा।

(ङ) यदि आवास और भोजन की व्यवस्था बैंक के स्तर पर की गई है/ बैंक द्वारा निःशुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था की गई है तो चौथाई विराम भत्ता दिया

जाएगा। लेकिन यदि कोई अधिकारी भोजन के लिए किए गए वास्तविक खर्च का वात्रा बिल प्रस्तुत किए बिना घोषणा के आधार पर करता है तो वह चौथाई विराम भत्ता पाने का हकदार नहीं होगा।

(च) सभी निरीक्षण अधिकारियों को मुख्यालय से बाहर निरीक्षण ड्यूटी पर विराम के प्रतिदिन के लिए रु० 10/- का अनुपूरक दैनिक भत्ता दिया जाएगा। (1-1-1987 से प्रभावी)

स्पष्टीकरण :

विराम भत्ते की संगणना के लिए "प्रतिदिन" का अभिप्राय है। 24 घण्टे की अवधि या उसके बाद का कोई भी भाग, जिसकी गणना विमान यात्रा के मामले में प्रस्थान के लिए नियत समय तक लेकर पहुँचने के वास्तविक समय तक की जाएगी। यदि अनुपस्थिति की कुल अवधि 24 घण्टे से कम है तो "प्रतिदिन" से ऐसी अवधि अभिप्रेत है जो 8 घण्टे से कम न हो।

44 (2) 1-6-1991 के और उसके बाद चार वर्षों में एक बार, जब कोई अधिकारी छुट्टी यात्रा सुविधा का उपयोग करता है तब उसे एक बार में अधिक से अधिक एक माह की अपनी विशेषाधिकार छुट्टी के नकदीकरण की सुविधा दी जा सकती है।

विकल्पतः उसे दो वर्षों के एक खण्ड में अपने गृह नगर की और दूसरे खण्ड में भारत के किसी भी स्थान की यात्रा करने पर प्रत्येक खण्ड में अधिकतम 15 दिन की या एक खण्ड में 30 दिनों की विशेषाधिकार छुट्टी के नकदीकरण की सुविधा दी जा सकती है। ऐसे नकदीकरण के प्रयोजन के लिए जिस माह में छुट्टी किराया ली जा रही है उस माह की दूध कुल परिलब्धियाँ उसे मिलेंगी। परन्तु यदि अधिकारी चाहे तो वह एक दिन की अतिरिक्त विशेषाधिकार छुट्टी के नकदीकरण की राशि प्रधानमन्त्री सहायता कोष के लिए दे सकता है जिसके लिए उसे बैंक को इस आशय का पत्र देते हुए राशि उक्त कोष में जमा कराने का अधिकार देना होगा।

इण्डियन रेंटक्रास सोसायटी

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1994

सं० 48/और ग/93-94—इण्डियन रेंटक्रास सोसायटी अधिनियम, 1920 (1920 का 15) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति के पूर्ण अनुमोदन से इण्डियन रेंटक्रास सोसायटी का प्रबन्ध निकाय, सोसायटी के प्रबन्ध, कामकाज नियन्त्रण और कार्यविधि को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है।

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

1. इन नियमों को इण्डियन रेंट क्रॉस सोसायटी नियमावली 1993 कहा जाएगा।
2. ये नियम तत्काल लागू होंगे।

2. परिभाषाएं :

1. इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) अधिनियम का आशय इण्डियन रेंट क्रॉस सोसायटी अधिनियम, 1920 (1920 का 15) एवं उसके सभी संशोधनों से है।

(ख) अध्यक्ष (चेयरमैन) का आशय इण्डियन रेंट क्रॉस सोसायटी अधिनियम 1920 की धारा 4 ग (1) (क) के अधीन राष्ट्रपति द्वारा नामित इण्डियन रेंट क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष से है,

(ग) 'मुख्यालय' का आशय नई दिल्ली स्थित इण्डियन रेंटक्रास सोसायटी के राष्ट्रीय मुख्यालय से है,

(घ) राष्ट्रपति का आशय भारत के राष्ट्रपति से है,

(ङ) 'महासचिव' का आशय इण्डियन रेंट क्रॉस सोसायटी अधिनियम 1920 की धारा 4 ग (1) के अधीन नियुक्त इण्डियन रेंट क्रॉस सोसायटी के महासचिव से है,

(च) कोषाध्यक्ष का आशय इण्डियन रेंट क्रॉस सोसायटी अधिनियम, 1920 की धारा 4 ग (1) के अधीन नियुक्त इण्डियन रेंटक्रास सोसायटी के खजांची से है,

(छ) 'उपाध्यक्ष' का आशय इस नियमावली के नियम 5 (2) के अधीन इण्डियन रेंट क्रॉस सोसायटी के उपाध्यक्ष से है।

2. = सभी अन्य शब्द एवं अभिव्यक्तियाँ जिनकी परिभाषा यहाँ नहीं दी गयी है उनके वही सामान्य अर्थ होंगे जो उनके लिए निर्धारित किए गए हैं।

3. सदस्य :

सोसायटी में निम्नलिखित श्रेणी के सदस्य होंगे :—

- (क) उपाध्यक्ष
- (ख) संरक्षक
- (ग) उप संरक्षक
- (घ) सह-सदस्य
- (ङ) संस्थागत सदस्य

2. उपाध्यक्ष, राज्य और संब राज्य क्षेत्र के रेंट क्रॉस शाखाओं के अध्यक्ष होंगे :

परन्तु अध्याय 1 के नियम 1 (ख) के अनुसार पहले से नियुक्त कोई अवैतनिक उपाध्यक्ष, जो सोसायटी का एक सदस्य हो, अवैतनिक उपाध्यक्ष के ग्रेड में एक सदस्य बना रहेगा।

3. अभिधान की दूर से कोई सदस्य सोसायटी के सदस्यों को उपयुक्त श्रेणियों में से किसी एक अथवा किसी अन्य श्रेणी के लिए हकदार हो जाएगा उसका निर्धारण सोसायटी के प्रबन्ध निकाय द्वारा समय-समय पर किया जाएगा।

4. किसी भी समय कोई संस्थागत सदस्य, एक संरक्षक अथवा उपसंरक्षक हो सकता है, किसी संरक्षक अथवा उप संरक्षक की श्रेणी के अभिधान की राशि का निर्धारण प्रबन्ध निकाय द्वारा किया जाएगा।

परन्तु शर्त यह होगी कि ऐसी सदस्यता नहीं श्रेणी में आने की तारीख से 10 वर्ष के लिए विधि मान्य होगी।

5. प्रबन्ध निकाय, किसी व्यक्ति को उसके द्वारा सोसाइटी को दी गई सेवाओं के लिए सोसाइटी की किसी श्रेणी की अवैतनिक सदस्यता के लिए नामित भी कर सकता है।

6. (क) अभिवान की अदायगी राष्ट्रीय मुख्यालय या राज्य/संघ राज्य क्षेत्र अथवा संबंधित जिला शाखा को की जा सकती है। ऐसी अदायगी का विभाजन निम्नलिखित तरीके से किया जाएगा :—

(1) मुख्यालय 15%

(2) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र शाखा 15% और

(3) जिला शाखा जिससे सदस्य संबंधित है 70%

वर्ष सदस्य किसी जिला शाखा से संबंधित नहीं है तो विभाजन इस प्रकार होगा :—

(क) मुख्यालय 15%

(ख) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र शाखा 85%

6. (ख) मुख्यालय/किसी भी शाखा द्वारा प्राप्त चन्दे, जब तक कि दाता विशिष्ट प्रयोजन, जिसके लिए उसका प्रयोग किया जाना है, निर्दिष्ट न करे, का उपयोग प्राप्त कर्ता निकाय द्वारा सामान्य प्रयोजन के लिए किया जाएगा, परन्तु किसी जिला शाखा द्वारा प्राप्त चन्दे और उसे किसी विशिष्ट प्रयोजन के लिए अलग से न रखे जाने के मामले में, उसका 15 प्रतिशत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की शाखा को और 15 प्रतिशत राष्ट्रीय मुख्यालय को देय होगा तथा किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की शाखाओं द्वारा प्राप्त ऐसे चन्दे, जो किसी विशिष्ट प्रयोजन के लिए उद्दिष्ट न हो, के मामले में उसका 15 प्रतिशत मुख्यालय को देय होगा।

6. (ग) उपर्युक्त धारा 6 (ख) के उपबन्ध में, रसिदों में प्रतिलिपियाँ, पिन वाले संबन्ध, सील, फोट (उत्सुख) लाटरों की प्रतियाँ और राशियों का कार्यक्रमों से एकत्रित निवेदन आय और निवेदन की जिनका अथवा राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की शाखाओं द्वारा प्राप्त और किसी विशिष्ट प्रयोजन के लिए निर्धारित न होने वाली किसी अन्य एकत्रित राशि के संबंध में लागू होंगे।

4. सामान्य बैठक

1. सोसाइटी की सामान्य बैठक सोसाइटी के मुख्यालय के स्थान पर वर्ष में एक बार अध्यक्ष द्वारा निर्धारित तारीख (अथवा तारखों) पर होगी। ऐसी वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित करके निर्धारित तारीख से कम से कम 21 दिन पूर्व दी जाए और विचार किए जाने वाले कार्यों का उसमें उल्लेख रहेगा।

2. निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक सामान्य बैठक में भाग लेने और किसी ऐसे प्रश्न पर अपना मत देने का अधिकार होगा जो कि निर्धारण के लिए सभा के समक्ष रखा जाता है।

(क) राज्य और संघ राज्य क्षेत्र के राज क्रम शाखाओं के अध्यक्ष अपने उपाध्यक्ष पद का हस्तियत से :

(ख) प्रबंध निकाय के सदस्य

(ग) प्रत्येक शाखा समिति द्वारा नामित दस सदस्य प्रतिनिधि जो सदस्यों से भिन्न हों।

(घ) संबंधित सदस्यों की संख्या का एक प्रतिशत, जो अधिकतम 40 होंगे के आधार पर प्रत्येक राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की शाखा समिति द्वारा नामित सह-सदस्य प्रतिनिधि (जो प्रेक्षक के रूप में भाग लेंगे),

अवैतनिक विधि सलाहकार अथवा अन्य कोई प्राधिकारी या व्यक्ति, जो प्रबंधक निकाय की राय में सोसाइटी के काम काज और क्रिया कलापों से संबद्ध है, वार्षिक सामान्य बैठक में विशेष रूप से आमंत्रित व्यक्ति होगा।

टिप्पणी यदि संस्था के सदस्य को महाधिकार करने का अधिकार हो तो उसका प्रयोग उपयुक्त प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा किया जाएगा।

3. प्रत्येक वार्षिक सामान्य बैठक में, वार्षिक रिपोर्ट संस्था परीक्षित वार्षिक लेखों और अनुवर्ती वित्तीय वर्ष के लिए बजट प्रस्तुत किया जाएगा उस पर विचार किया जाएगा और उसे पारित किया जाएगा। वार्षिक सामान्य बैठक में।

लंकाओं के संकलन एवं प्रमाणीकरण के प्रयोजन के लिए व्यवसाय कर रहे एक सनदी लेखाकार (चार्टर्ड एकाउंटेंट) को सांविधिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

4. वार्षिक सामान्य बैठक के पूर्व समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखों को उन्हें प्रस्तुत किए जाने से पूर्व राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की शाखा समितियों के बीच में परिचालित किया जाएगा।

5. (क) सोसाइटी की एक असाधारण सामान्य बैठक सोसाइटी के संबंधित किसी प्रयोजन के लिए अध्यक्ष द्वारा किसी भी समय बुलाई जा सकती है।

(ख) ऐसी बैठक की सूचना पंद्रह दिन पहले प्रकाशित करके दी जाएगी। उस बैठक में सम्मेलन प्रस्तुत की जाने वाली कार्य-सूची का उल्लेख किया जाएगा और ऐसी कार्य सूची में निर्दिष्ट कार्य से भिन्न कार्य के संबंध में कोई चर्चा नहीं की जाएगी।

6. (ग) यदि वार्षिक सामान्य बैठक में अध्यक्षता अध्यक्ष द्वारा की जाएगी अन्यथा सोसाइटी के अध्यक्ष के अभाव में अध्यक्ष (सैरियर-में) अथवा उसके द्वारा नियुक्त किए गए किसी अन्य व्यक्ति द्वारा की जाएगी।

7. (ख) वार्षिक सामान्य बैठक में अध्यक्ष रखे गए संकल्प उपाध्यक्ष सदस्यों के बहुमत और मतदान द्वारा पारित और निर्दिष्ट किए जाएंगे, जिसमें मतदान हाथ उठा कर होगा।

8. (ग) मत बराबर बराबर होने पर, बैठक के चयन के मामले दूसरा या निर्णायक मत देने का अधिकारी होगा।

5. प्रबंध निकाय

1. सोसाइटी के प्रबंध निकाय का गठन अधिनियम की उप-धारा और इंडियन रेडक्रास सोसाइटी (प्रबंध, निकाय का गठन) अधिनियम 1992 के अनुसार किया जाएगा।

2. प्रबंध निकाय अपने बनने अथवा चनाव होने के बाद तुरंत पहली बैठक में अपने बीच में से एक उपाध्यक्ष चुनेगा।

3. प्रबंध निकाय की सामान्य बैठक ऐसे समय और ऐसे स्थान, जैसा कि अध्यक्ष (चेयरमैन) द्वारा निर्धारित किया जाए, पर तिमाही में एक बार की जाएगी। वर्ष की अंतिम तिमाही में आयोजित बैठक में अनुवर्ती वर्ष के लिए सोसाइटी के वार्षिक बजट पर विचार किया जाएगा।

4. चेयरमैन प्रबंध निकाय की असाधारण बैठक किसी भी समय बुला सकता है।

5. प्रबंध निकाय के किन्हीं पांच सदस्यों द्वारा लिखित रूप में मांग किए जाने पर, चेयरमैन एक असाधारण बैठक बुलाएगा।

6. बैठक के स्थान, दिन और समय तथा बैठक में किए जाने वाले कार्य के सामान्य स्वरूप को विनिर्दिष्ट करते हुए प्रबंध निकाय को किसी बैठक की चौदह दिन की स्पष्ट सूचना डाक द्वारा प्रबंध निकाय के प्रत्येक सदस्य को दी जाएगी, लेकिन सोसाइटी के नियंत्रण से बाहर किसी कारणवश किसी सबसब द्वारा ऐसी सूचना न मिलने पर कार्यवाही विधिमान्य नहीं हो जाएगी।

7. प्रबंध निकाय के बैठकों में पांच सदस्यों से एक कोरम पूरा होगा।

8. यदि किसी बैठक के लिए निर्धारित समय के आधे घंटे के भीतर कोरम पूरा न होने की स्थिति में बैठक अगले सप्ताह के लिए स्थगित कर दी जाएगी और अगली बैठक उसी समय एवं उसी स्थान पर की जाएगी। ऐसी स्थगित बैठक में, जिस कार्य के लिए बैठक बुलाई गई थी, उसे पूरा किया जाएगा, भले ही कोरम पूरा हो या न हो।

9. किसी बैठक में मत बराबर होने पर, अध्यक्ष (चेयरमैन) को पास बसरा या निर्णायक मत देने का अधिकार होगा।

10. प्रबंध निकाय समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रास परिसर (फेडरेशन) और रेड क्रॉसेन्ट सोसाइटियों की बैठकों में भाग लेने के लिए अथवा ऐसे उद्देश्यों, जिससे सोसायटी संबद्ध है, पर विचार करने के लिए आयोजित इन समितियों की आवश्यकता पूरी करने के लिए सोसाइटी के प्रतिनिधि (गै) को नियुक्त कर सकता है और ऐसे प्रयोजनों के लिए होने वाले सभी उचित व्ययों को मंजूर कर सकता है।

11. (1) प्रबंध निकाय, अध्यक्ष के पूर्व अनुमोदन से सोसाइटी के महासचिव और कोषाध्यक्ष को नियुक्त करेगा।

(2) महासचिव और कोषाध्यक्ष की पदावधि और सेवा की शर्तों का निर्धारण समय-समय पर प्रबंध निकाय द्वारा किया जाएगा।

(3) मुख्यालयों के सभी अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियुक्तियाँ, समय-समय पर प्रबंध निकाय द्वारा नियुक्त की गई उच्चतम चयन समिति की सिफारिशों पर महासचिव द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर की जाएगी।

(क) संयुक्त सचिव और निदेशक रक्त कोष (ब्लड बैंक) के पदों की नियुक्तियों के मामले में, प्रबंध निकाय का अनुमोदन लिया जाएगा, और

(ख) उप सचिव और निदेशक के पदों की नियुक्तियों के मामले में अध्यक्ष (चेयरमैन) का अनुमोदन लिया जाएगा।

12. सलाह देने, कानूनी सहायता प्रदान करने और सोसाइटी की ओर से अभ्यावेदन करने, जैसा कि सोसाइटी द्वारा

अर्पित हो, अवैतनिक विधि सलाहकार की नियुक्ति की जाएगी।

13. प्रबंध निकाय के संकल्प द्वारा दिए गए प्राधिकार तथा प्रबंध निकाय के किसी सदस्य और महासचिव या इस प्रयोजन से प्रबंध निकाय द्वारा नियुक्त ऐसे ही अन्य व्यक्ति की उपस्थिति को छोड़कर किसी भी लिखत पर सोसाइटी की मुहर नहीं लगाई जाएगी। सदस्य और महासचिव अथवा उपर्युक्त अन्य व्यक्ति, ऐसी प्रत्येक लिखत पर हस्ताक्षर करेगा, जिस पर सोसाइटी की मुहर इस प्रकार उसकी उपस्थिति में लगाई गई है।

14. सेवा करारों, पट्टों आदि जैसे साधारण प्रलेखों का निष्पादन सोसाइटी एवं प्रबंध निकाय की ओर से महासचिव द्वारा किया जाएगा।

15. सोसाइटी अथवा प्रबंध निकाय द्वारा कोई सूचना तभी विधि मान्य होगी जब वह सूचना महासचिव द्वारा दी गई हो।

16. प्रबंध निकाय को अपनी निजी कार्य विधि अपने द्वारा नियुक्त समितियों की कार्य विधि विनियमित और सोसाइटी के अधिकारियों के कर्तव्य निर्धारित करने के लिए स्थायी आदेश बनाने का अधिकार होगा।

6. कार्यकारिणी समिति

1. प्रत्येक वर्ष की पहली बैठक में, प्रबंध निकाय, सोसाइटी के वर्तमान कोषों के निर्वहन के लिए एक कार्यकारिणी समिति नियुक्त कर सकता है। ऐसी समिति के संचालन की विधिवत् दर्ज किया जाएगा और इसकी अगली बैठक में प्रबंध निकाय के समक्ष इस दर्ज अभिलेख को प्रस्तुत किया जाएगा।

2. कार्यकारिणी समिति में निम्नलिखित व्यक्ति शामिल होंगे :—

- (क) प्रबंध निकाय का अध्यक्ष (चेयरमैन) और उपाध्यक्ष,
- (ख) अपने सदस्यों के बीच में से प्रबंध निकाय द्वारा चुने गए चार सदस्य,
- (ग) अवैतनिक विधिक सलाहकार, और
- (घ) कार्यकारिणी समिति द्वारा सहयोजित अधिकतम दो सदस्य।

3. कार्यकारिणी समिति साधारणतया एक माह में एक बार बैठक करेगी परन्तु अध्यक्ष (चेयरमैन) समिति, की बैठक जब कभी बुलाना आवश्यक समझे, बुला सकता है। चार सदस्य एक कोरम पूरा करेंगे।

4. आपातकालीन स्थिति में कार्यकारिणी समिति इन नियमों द्वारा प्रबंध निकाय के किसी कर्तव्य को पूरा कर सकती है परन्तु ऐसे मामले में वह प्रबंध निकाय को की गई ऐसी किसी कार्रवाई के बारे में अगली बैठक में इसकी पृष्टि करने के लिए बनाएगी।

7. वित्त समिति

1. प्रबंध निकाय एक ऐसी वित्त समिति नियुक्त करेगा जिसमें उपाध्यक्ष, प्रबंध निकाय के दो सदस्य, अवैतनिक विधिक सलाहकार महासचिव और कोषाध्यक्ष होंगे।

2. सोसाइटी को वित्त व्यवस्था को प्रभावित करने वाले सभी मामलों में भागीदारी कार्यकारिणी समिति अथवा प्रबंध निकाय, द्वारा निर्धारित करने से पूर्व साधारणतया सलाह और राय के लिए वित्त समिति को भेजे जाएंगे।

3. प्रबंध निकाय मौजूदा वित्तीय कार्य के मामलों पर कार्रवाई और निर्णय करने के लिए वित्त समिति को अधिकार प्रदान कर सकती है बशर्ते कि ऐसे कार्य में सोसाइटी के उद्देश्यों में कोई विचलन न हो और उससे संबंधित राशि बजट अनुमानों में सम्मिलित की गई हो।

4. वित्त समिति को समय-समय पर प्रबंध निकाय द्वारा निर्धारित की जाने वाली सीमा तक बजट अनुमानों से अधिक आय स्वीकृत करने का अधिकार दिया जा सकता है।

5. वित्त समिति महासचिव को इसी प्रकार नेमी प्रकार का व्यय, जिससे सोसाइटी के उद्देश्यों में कोई विचलन न हो, तभी दे सकती है, अब इसमें सम्मिलित राशि बजट अनुमानों में शामिल हो।

6. महासचिव को वित्त समिति द्वारा, जब भी आवश्यक हो, समय-समय पर प्रबंध निकाय द्वारा यथा निर्धारित सीमा तक बजट अनुमानों से अधिक व्यय करने का अधिकार भी दिया जा सकता है।

7. वित्त समिति ऐसे विशिष्ट प्रयोजनों, जिनके लिए नकद अथवा वस्तु के रूप में दान प्राप्त हुए हैं, के लिए व्यय स्वीकृत करने का भी महासचिव को अधिकार दे सकती है बशर्ते कि बाद में इसकी सूचना प्रबंध निकाय को दी जाए। वित्त समिति इसी प्रकार प्रत्येक साधारण मामले और आपातस्थिति में इस शर्त में साथ व्यय करने के लिए महासचिव को अधिकार दे सकती है, कि वित्त समिति को उसकी अगली बैठक में अनुसमर्थन के लिए उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

8. वित्त समिति को अनुदान क्रमानुसार स्वीकृत करने का भी अधिकार होगा।

9. वित्त समिति लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार करेगी और सोसाइटी के वार्षिक लेखों की समीक्षा करेगी तथा वार्षिक बजट तैयार करेगी और उसे विचार करने के लिए प्रबंध निकाय को प्रस्तुत करेगी। लेखा परीक्षकों की विस्तृत रिपोर्ट कोषाध्यक्ष को प्रस्तुत की जाएगी जो महासचिव (सेक्रेटरी जनरल) के परामर्श में रिपोर्ट पर आवश्यक कार्यवाही करेगा।

10. वित्त समिति साधारणतया प्रत्येक निमाही में एक बार अपनी बैठक आयोजित करेगी। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बैठकें बुलाई जा सकती हैं। इस की तीन सदस्य कोरम पूरा करेंगे।

11. वित्त समिति को कार्यवाही के विचार करने के लिए प्रबंध निकाय और कार्यकारिणी समिति के समक्ष रखा जाएगा।

8. चिकित्सा और प्रसूति एवं शिशु कल्याण समिति

1. प्रबंध निकाय एक चिकित्सा और प्रसूति एवं शिशु कल्याण समिति नियुक्त करेगा, जिसमें उपाध्यक्ष, महासचिव, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक अथवा उसका प्रतिनिधि, सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा का महानिदेशक अथवा उनका प्रतिनिधि, राष्ट्रपति का सर्जन राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की शाखाओं के चार क्षेत्रों में से प्रत्येक का एक-एक चिकित्सा कर्मिक और प्रसूति तथा शिशु कल्याण कार्य-कलापों में संबंधित सामाजिक संगठनों के दो प्रतिनिधि शामिल होंगे।

2. समिति उन सभी ऐसे प्रश्नों जिन्हें प्रबंध निकाय अथवा कार्यकारिणी समिति अथवा महासचिव द्वारा भेजा गया हो, पर सलाह देगी।

3. सोसाइटी के प्रसूति एवं शिशु कल्याण से संबंधित काम-काज भी इस समिति द्वारा बोझा जाएगा।

4. यह समिति लेडी चैम्सफोर्ड अखिल भारतीय लीग, प्रसूति एवं शिशु कल्याण निधि तथा विक्टोरिया मेमोरियल स्कालरशिप निधि का प्रबंध करेगी तथा इन दोनों निकायों के कार्यों को चलाएगी।

5. यह समिति इस सोसाइटी के प्रबंध निकाय द्वारा सौंपी गई और भारत में प्रसूति एवं शिशु कल्याण के लिए आशयित किसी निधि या राशि के प्रबंध का उत्तरदायित्व लेगी।

6. समिति को सौंपी गई निविष्ट निधियों अथवा औपचारिक रूप से गठित अन्य निधियों की पहचान अलग से बनाए रखी जाएगी।

जब तक संभव होगा इन विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों को सहायता के लिए मूल संग्रह पर व्याज के रूप में प्राप्त वार्षिक आय सहित प्रत्येक निधि के लिए कोई पृथक बजट और लेखा विवरण रखा जाएगा।

7. समिति साधारणतया प्रत्येक निमाही में एक बार अपने समय और स्थान, जिसे समिति के अध्यक्ष (चेयरमैन) द्वारा निर्धारित किया जाए, पर बैठक करेगी। जब आवश्यक हो अतिरिक्त बैठकें बुलाई जा सकती हैं। ऐसी बैठकों के दौरान पांच सदस्य कोरम पूरा करेंगे।

8. निधिया का बजट और समिति का कार्यवृत्त विचारार्थ प्रबंध निकाय और कार्यकारिणी समिति के समक्ष रखा जाएगा।

9. रजत जयन्ती निधि, भारत 1935 में में भारतीय धल सेना शिशु कल्याण के लिए आवंटित और प्रबंध करने के लिए सोसाइटी को सौंपी गई तीन लाख रुपये की राशि और उससे गठित सभी लेन-देन को लेडी चैम्सफोर्ड प्रसूति एवं शिशु कल्याण निधि को अखिल भारतीय लीग को बजट में अलग से दिखाया जाएगा।

9. कोई अन्य समिति (समितियां)

प्रबंध निकाय विशिष्ट कार्यों और उक्त अवधि के लिए समय-समय पर ऐसी अन्य समिति (समितियां) जिसे (जिन्हें) आवश्यक समझे नियुक्त कर सकता है।

ऐसी समिति (यां) की कार्यवाही विचार के लिए प्रबंध निकाय और कार्यकारिणी समिति के समक्ष रखी जाएगी।

10. बैंकर

शालू लेखा या बचत बैंक लेखों और अन्वयधि या मातृधन जमाओं के लिए सोसाइटी और सोसाइटी द्वारा संचालित सभी निधियों का बैंकर भारतीय स्टेट बैंक और/या प्रबंध निकाय द्वारा समय-समय पर नामित कोई अन्य राष्ट्रीय बैंक होगा।

11. लेखा परीक्षक

सोसाइटी के वार्षिक लेखा और सोसाइटी द्वारा संचालित निधियों की लेखा परीक्षा व्यवसाय में लगी किसी सनदी लेखाकार (चाार्टर्ड एकाउंटेंट), जिसको कि नियुक्त लेखों के संकलन

एवं प्रमाणीकरण के प्रयोजन के लिए एक सांविधिक लेखा परीक्षक के रूप में की गई है, द्वारा की जाएगी।

12. निवेश

निधियों के सभी निवेश आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 (3) के अधीन यथा उपस्थित किसी फार्म में किए जाएंगे।

निवेश केवल विशुद्ध समिति के अनुमोदन से, जो बाद में प्रबंध निकाय को इसके बारे में सूचित करेगी, आकर अधिनियम 1961 की धारा 11 (3) के अनुसार किए जाएंगे अथवा उनमें परिवर्तन किया जा सकेगा।

2. निवेशित पूंजी के व्यय से संबंधित सभी लेन-देनों को सोसाइटी के प्रबंध निकाय के ऐसे संकल्प द्वारा प्राधिकृत किया जाएगा जिसकी पूर्ण सोसाइटी के अध्यक्ष ने कर दी हो।

3. सावधि जमा करने और चुकाने सहित है निवेश से संबंधित सभी लेन-देन, पृष्ठकन चुकौतियां और निधियों के बैंकों और अन्य संबंधित व्यक्तियों से पत्राचार अध्यक्ष (चैरमैन) और कोषाध्यक्ष के अनुमोदन से किया जाएगा।

4. सोसाइटी के बालू और बचत बैंक लेखों और इससे संबंधित निधियों का प्रचालन सोसाइटी के निम्नलिखित अधिकारियों में से कम से कम दो अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

(क) महासचिव

(ख) संयुक्त सचिव

(ग) सोसाइटी का उप सचिव/निदेशक प्रभारी वित्त

परन्तु 10000/- रुपये से अधिक वित्तीय लेन-देनों के मामले में, अनिवार्य रूप से एक हस्ताक्षरकर्ता महासचिव होगा।

13. निर्वचन

इन नियमों के निर्वचन के बारे में जहां कहीं कोई संदेह उत्पन्न हो तो निर्णय के लिए इसे सोसाइटी के प्रबंध निकाय को भेजा जाएगा और इस संबंध में प्रबंध निकाय का निर्णय अंतिम होगा।

निरसन और अपवाद

1. इन नियमों के प्रारम्भ होने पर, इनके प्रारम्भ से ठीक पहले लागू प्रत्येक नियम, विनियम अथवा आदेश, जिस सीमा तक इन नियमों में दिए गए किसी विषय के लिए व्यवस्था की गई है, उस सीमा तक लागू नहीं रहेंगे।

2. इन नियमों के लागू न रहने के बावजूद प्रान्त नियमों, विनियमों अथवा आदेशों के अधीन किए गए किसी कार्य अथवा की गई कार्रवाई को इन नियमों के तत्पक्ष उपबंधों के अंतर्गत किया गया कार्य अथवा की गई कार्रवाई माना जाएगा।

डा. ए. के. मुखर्जी
महासचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1995

सं. बी-33(13)-4/91-स्था-4—कर्मचारी राज्य बीमा (संगठन) विनियम, 1950 के विनियम 10 के साथ एंतिम कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा

25 के अनुसरण और निगम की अधिसूचना सं. बी-33(13)-4/84-स्था. 4 दिनांक 24-11-1988 के अतिरिक्त में, अध्यक्ष, कर्मचारी राज्य बीमा निगम एतद्वारा दिल्ली क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय बोर्ड का पुनर्गठन करने है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् —

अध्यक्ष

1. श्रम मंत्री,

दिल्ली सरकार, दिल्ली।

उपाध्यक्ष

2. श्रम आयुक्त,

दिल्ली सरकार।

सदस्य राज्य सरकार के प्रतिनिधि

3. एम. एस. पंवार,

सदस्य, दिल्ली विधान सभा,

4, साऊथ गणेश नगर,

पटपड़गंज रोड, दिल्ली-92।

पदेन सदस्य मंत्रालय क्षेत्र दिल्ली में क. रा.

बी. योजना के प्रत्यक्ष प्रभारी अधिकारी

4. निदेशक (चिकि.) दिल्ली,

क. रा. बी. योजना, नई दिल्ली।

पदेन सदस्य

5. उप चिकित्सा आयुक्त,

क. रा. बी. निगम, उत्तर जोन,

नई दिल्ली।

नियोजक-प्रतिनिधि

6. श्री एस. के. चौधरी,

महासचिव,

मायापुरी स्माल इन्डस्ट्रीज बेलफेयर

एंसोसिएशन, बी-7, मायापुरी इन्डस्ट्रीयल

एरिया फेज-2, नई दिल्ली।

नियोजकों के अतिरिक्त प्रतिनिधि

7. श्री अनिल भार्गव,

अध्यक्ष (दिल्ली समिति)

पी. एच. डी. चैम्बर आफ कामर्स

एण्ड इन्डस्ट्रीज,

पी. एच. डी. हाउस (कार्या. खेल गांव)

नई दिल्ली-16।

8. श्री सुभाष आर्य,

महासचिव,

होलसेल हाजिरी संघट्ट एंसोसिएशन,

63-नागाधण मार्किट, सदर बाजार,
दिल्ली।

कर्मचारी-प्रतिनिधि

9. श्री राजकुमार गुप्ता,
वित्त सचिव, बी.एम.एस.,
5239, अजमेरी गेट, दिल्ली-6।
कर्मचारियों के अतिरिक्त प्रतिनिधि
10. श्री अवधेश गोस्वामी (एच.एम.एस.)
मकान नं. 212, मोल्ड बन्ध एक्स.
नई दिल्ली-44।
11. श्री जे. एस. वारा,
अध्यक्ष,
राष्ट्रीय टैक्सटाइल मजदूर कांग्रेस (रीज.) (इन्टक)
190, जी. टी. रोड आजमपुर गाँव,
दिल्ली-33।
राज्य में रह रहे क.रा.बी. निगम/पि.हि.प.
के सदस्य प्बन्ध
मदस्य
12. श्री एस. के. गर्ग,
66-बी-पाकेट "सी" गंगात्री एन्क्लेव,
अलकनन्दा (एस. एफ. एस.) नई दिल्ली-19।
13. श्री एस. के. बघावन,
"आशियाना" सेक्टर "बी"
पाकेट 8/6034, बसन्त कुंज,
नई दिल्ली।
14. श्री पी. बी. कुमाल,
ई-222, न्यू राजेन्द्र नगर,
नई दिल्ली-60।
15. श्री आर. एम. भण्डारी,
ए-6, महारानी बाग,
नई दिल्ली-5।
16. डा. एन. हम्सा,
संयुक्त सचिव,
आल इंडिया आर्गनाइजेशन ऑफ
एम्प्लायर्स फेडरेशन हाउस,
सानमोन मार्ग, नई दिल्ली।
17. कविगज जी एल. चानरा,
ए-24, काणा नगर एक्सटेंशन,
पटपडगंज रोड,
दिल्ली।

सदस्य सचिव

18. क्षेत्रीय निदेशक,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
दिल्ली।

ललित गीश्वर
महानिदेशक

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

बम्बई, दिनांक 16 मई 1995

शुद्धि पत्र

स. यू टी/डी बी डी एस/1165 ए/एस पी डी-719/94-95—दिनांक 11 मार्च 1995 को भारत सरकार के राजपत्र (भाग 3 खण्ड 4) में पृष्ठ सं. 464 पर प्रकाशित दिनांक 30 जनवरी 1995 की अधिसूचना सं. यू टी/डी बी डी एस 843 ए/एस पी डी/71 जी/94-95 के शुद्धि पत्र में निम्नलिखित सुधार करें।

*मासिक आय यूनिट योजना 1994 (3)

क्रम सं०	पृष्ठ सं०	सुधारें
1	464	18 पंक्ति में कॉर्ब ए के बाय "बी" बनाइए

दिनांक 11 मार्च 1995 को भारत सरकार के राजपत्र (भाग 3 खंड 4) में पृष्ठ सं. 464 पर प्रकाशित दिनांक 1 फरवरी 1995 की अधिसूचना सं. यू टी/डी बी डी एस 840 ए/एस पी डी 52/94-95 के यूनिट संबंध बीमा प्लान को संशोधन में निम्नलिखित सुधार करें।

क्रम सं०	सम्पन्न सं०	पृष्ठ सं०	सुधारें
1	1	464	तीसरी पंक्ति में "19(1)(8)" को "19 (1) (सी)" से सुधारें।
2	1	464	चौथी पंक्ति में "प्लान" को "प्लान" से सुधारें।
3	2	464	चौथी पंक्ति में "उत्सहित" को "उत्सहित" से सुधारें।
4	2	464	पांचवी पंक्ति में "बदल" को "बदला" से सुधारें

ए. जी. जोशी
संयुक्त महाप्रबंधक
व्यवसाय विकास और विपणन

दिनांक 18 मई, 1995

सं० यू० टी०/डी० बी० डी० एस०/1175 ए/एस० पी० डी०-84/94-95—भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अन्तर्गत बनाए गए यूनिट योजना 95 (यू० एस 95) के प्रावधानों के संशोधन, जिन्हें 9 मई 1995 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में अनुमोदित किया गया, इसके नीचे प्रकाशित किए जाते हैं।

ए० जी० जोशी
संयुक्त महाप्रबंधक
व्यवसाय विकास और विपणन

—प्रतीक—

[illegible]

यूनिट योजना 1995 के अंतर्गत यूनिटों की पुनर्बरीद के लिए
आवेदन पत्र

यूनिटों की कीमत मुझे/हमें **चेक/बैंक ड्राफ्ट द्वारा अदा
की जाए।

दिनांक :

साक्षी का हस्ताक्षर

धारक/धारकों/नामित/कानूनी
उत्तराधिकारी का/के हस्ताक्षर

1.
2.

प्रति

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

नाम : पता

पता :

मैं/हम ट्रस्ट को यूनिट योजना 1995
के अंतर्गत प्रमाणपत्र में समाविष्ट सभी यूनिटों स्वीकृति तारीख
की पुनर्बरीद कीमत पर पुनर्बरीद का प्रस्ताव करता हूँ/करते
हैं।

कार्यालय के प्रयोग के लिए स्वीकृति तिथि

यूनिट योजना 1995 से संबंधित सभी पत्र व्यवहार यूटीआई,
बम्बई मुख्य शाखा कार्यालय से निम्नलिखित पते पर किए जाएं :

कामर्स सेंटर—आइ, 28 वी मंजिल
विश्व व्यापार केंद्र, कफ परेड, कोलाबा,
बम्बई-400005।

STATE BANK OF INDORE

(HEAD OFFICE)

Indore, the 9th June 1995

Notice is hereby given that the 34th Annual General Meeting of the Shareholders of the State Bank of Indore will be held at Ravindra Natya Grah, Ravindra Nath Tagore Marg, Indore on Friday the 21st July, 1995 at 11.30 A. M. (Standard Time) to transact the following business :—

"To receive the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 1995 (1-4-1994 to 31-3-1995), the report of the Board of Directors on the working of the Bank for the same period and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts".

By order of the Board of Directors,

D. C. SANGHI
Managing Director

BANK OF INDIA

(HEAD OFFICE)

Bombay-400 021 the 4th April 1995

Sl. No. P. (IR) 1. SAH—In exercise of powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970)/1980 (10 of 1980) the Board of Directors of Bank of India in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulation further to amend the Bank of India Officers' Service Regulation, 1979.

Short title and commencement :

- These Regulations may be called the Bank of India Officers' Service (Amendment) Regulations 1995.
- These regulations shall come into force from the date of their publication.

2 Details of amendment to the following regulations is as per Annexure 'A'

- Regulation 23 (viii) (Split Duty Allowance).

(ii) Regulation 41 (4) (Halting Allowance) .

(iii) Regulation 44 (ii) (Encashment of P. L. while availing LTC).

A. R. SARDESAI
Assistant General Manager
(Personnel)

ANNEXURE 'A'

AMENDMENT TO REGULATION

23 (viii) - On and from 1-1-1990 if his working hours during a day are split with minimum interval of 2 hours, a Split Duty Allowance of Rs. 35/- p. m

41 (4) - On and from 1-6-1991 an officer in the Grades/Scales set out in Column 1 of the Table below shall be entitled to Halting Allowance at the corresponding rates set out in Column 2 thereof :

(1) Grade / Scales of Officers	(2) Daily Allowance (Rupees)		
	Major 'A' Class Cities	Area-I	Other Places
Officers in Scale IV and above	120.00	100.00	85.00
Officers in Scale I/II/III	100.00	85.00	75.00

Provided that —

- Where the total period of absence is less than 8 hours, but more than 4 hours, Halting Allowance at half the above rates shall be payable.

- (b) Officers in various Grades/Scales may be reimbursed the actual hotel expenses, restricting to single accommodation charges in ITDC Hotels, subject to the limits as given below :—

Grades/Scale of Officers	Eligibility to stay	Boarding Charges (Rupees)		
		Major 'A' Class Cities	Area-I	Other Places
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Scale VI & VII	4* Hotel	120 00	100 00	85 00
Scale IV & V	3* Hotel	120 00	100 00	85 00
Scale II & III	2* Hotel (Non-AC)	100 00	85 00	75 00
Scale I	1* Hotel (Non-AC)	100.00	85 00	75 00

- (c) Where lodging is provided at bank's cost/arranged through the bank free of cost, 3/4th of the Halting Allowance will be admissible.
- (d) Where boarding is provided at bank's cost/arranged through the bank free of cost, 1/2 of the Halting Allowance will be admissible.
- (e) Where lodging and boarding are provided at bank's cost/arranged through the bank free of cost, 1/4th of the Halting Allowance will be admissible. Where however an officer claims boarding expenses on a declaration basis without production of bills for actual expenses incurred, then he shall not be eligible for 1/4th of the Halting Allowance.
- (f) On and from 1-1-1987 a Supplementary Diem Allowance of Rs. 10/- per day of halt outside headquarters on inspection duty shall be paid to all inspecting officers.

Explanation :

For the purpose of computing Halting Allowance "Per diem" shall mean each period of 24 hours or any subsequent part thereof reckoned from the reporting time for departure in the case of air travel and the scheduled time of departure in other cases, to the actual time of arrival. Where the total period of absence is less than 24 hours, "per diem" shall mean a period of not less than 8 hours.

- 44(ii) — On and from 1-6-1991 once in every 4 years when an officer avails of Leave Travel Concession he may be permitted to surrender and encash his Privilege Leave not exceeding one month at time. Alternatively, he may whilst travelling in one block of two years to his home town and in other block to any place in India be permitted encashment of Privilege leave with a maximum of 15 days in each block or 30 days in one block. For the purpose of leave encashment all the emoluments payable for the month during which the availment of the Leave Travel Concession commences shall be admissible

Provided that an officer at his option shall be permitted to encash one day's additional Privilege Leave for donation to the Prime Minister's Relief Fund subject to his giving a letter to the Bank to that effect, and authorising the Bank to remit the amount to the Fund.

INDIAN RED CROSS SOCIETY

New Delhi, the 20th June 1994

No. 48/Org/93 94.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Indian Red Cross Society Act, 1920 (XV of 1920), the Managing Body of the Indian Red Cross Society, with the previous approval of the President, hereby makes the following Rules for regulating the management, leave encashment and the emoluments payable to the month function, control and procedure of the Society.

1. SHORT TITLE AND COMMENCEMENT :

- These rules may be called the Indian Red Cross Society Rules, 1994.
- They shall come into force at once.

2. DEFINITIONS :

- In these rule, unless the context otherwise requires—

- "ACT" means the Indian Red Cross Society Act 1920 (XV of 1920) with all amendments thereof;
- "Chairman" means the Chairman of the Indian Red Cross Society nominated by the President under Section 4B (1) (a) of the Indian Red Cross Society Act, 1920;
- "Headquarters" means the National Headquarters of the Indian Red Cross Society at New Delhi;
- "President" means the President of India;
- "Secretary-General" means the Secretary-General of the Indian Red Cross Society appointed under Section 4C(1) of the Indian Red Cross Society Act, 1920;
- "Treasurer" means the Treasurer of the Indian Red Cross Society appointed under Section 4C(1) of the Indian Red Cross Society Act, 1920;
- "Vice-chairman" means the Vice-Chairman of the Indian Red Cross Society appointed under Rule 5 (2) of these Rules.

- All other words and expressions not defined shall carry the normal meaning assigned to them.

3. MEMBERS :

- There shall be the following grades of members of the Society :

- Vice-Presidents
- Patrons
- Vice-Patrons
- Members
- Associate Members
- Institutional Members

- The Vice-Presidents shall be the Presidents of State and Union Territory Red Cross Branches :

Provided that any Honorary Vice-President enrolled in accordance with the Rule 1(b) of chapter I already made, who is a member of the Society, shall continue to be a member in the grade of Honorary Vice-President.

- The rate of subscriptions which will entitle a member to be categorised in one or other of the above grades of members of the Society shall be determined by the Managing Body of the Society from time to time.

- An Institutional Member may, at any time, become a Patron or Vice-Patron. The sum of subscription for the grade of a Patron or Vice Patron shall be as determined by Managing Body :

Subject to the condition that such membership shall be valid for ten years from the date of admission into the new grade.

5. The managing Body may also nominate any person to Honorary Membership of the Society of any grade for the services rendered by him to the Society.

6(a) Payment of subscription could be made either to National Headquarters, or to the State/Union Territory or District Branch concerned. Such payment shall be apportioned in the following manner :

- (i) Headquarters 15%
- (ii) State/Union Territory Branch 15% and
- (iii) District Branch to which the member belongs 70%.

In case of member not belonging to any District Branch the apportionment shall be as follows :

- (a) Headquarters 15%
- (b) State/Union Territory Branch 85%.

6(b) Donations received by the Headquarters/any of the Branches shall, unless the donor specifies the particular purpose for which the same is to be used, be utilized by the receiving body for its general purpose provided that in case of donations received by a District Branch and not earmarked for a particular purpose, 15% of the same shall be payable to the State/Union Territory Branch and 15% to the National Headquarters and in case of donations received by any of the State/Union Territory Branches not earmarked for a particular purpose, 15% of the same shall be payable to the Headquarters.

6(c) The provisions of Section 6 (b) above shall apply in respect of net proceeds of collections from fairs, raffles, sale of pinflags, seals, fetes lotteries and variety shows any other collections received by any of the District of State/Union Territory Branches and not earmarked for a specific purpose.

4. General Meeting

1. A General Meeting of the Society shall be held once a year at the Station of the Headquarters of the Society upon a date (or dates) to be fixed by the President. Notice of such Annual General Meeting shall be given at least twenty one days before the date fixed by publication in the press and shall specify the business to be transacted.

2. The following shall be entitled to attend the Annual General Meeting and to vote on any question that may be brought before the meeting for determination :

- (a) The Presidents of State and Union Territory Red Cross Branches in their capacity as Vice-Presidents;
- (b) Members of the Managing Body ;
- (c) Ten member delegates, other than Associate Members, nominated by each Branch Committee; &
- (d) Associate Member delegates (to attend as Observers) nominated by each State and Union Territory Branch Committee on the basis of one percent of the respective membership strength subject to a maximum of 40

The Honorary Legal Advisor or any other authority or person who in the opinion of the Managing Body is associated with the functions and activities of the Society, shall be special invitees at the Annual General Meeting.

NOTE : The Institutional Member's right to vote shall, if available, be exercised by appropriate authorised representative.

3. At each Annual General Meeting the Annual Report, the audited Annual Accounts and the Budget for the succeeding financial year shall be presented, considered and adopted.

At the Annual General Meeting a practicing Chartered Accountant shall be appointed as a statutory Auditor for the purpose of compilation and certification of accounts.

4. The Annual Accounts for the financial year concluding prior to the Annual General Meeting shall, before being presented be circulated to the State and Union Territory Branch Committees.

5(a) An Extraordinary General Meeting of the Society may be convened at any time by the President for any purpose connected with the Society.

5(b) Fifteen days' notice shall be given of such meeting by publication in the press, with the agenda to be brought before it, and no business other than that specified in such agenda shall be transacted.

5(b) Fifteen days notice shall be given of such meeting by the President or in his absence by the Chairman of the Managing Body or some other person appointed by the Chairman.

6(b) The resolutions before Annual General Meeting shall be passed and decided by the majority of members present and voting, the voting being by show of hands.

6(c) In case of an equality of votes, the Chairman of the meeting shall have a second or casting vote.

5. MANAGING BODY

1. The Managing Body of the Society shall be constituted in accordance with the provisions of the Act and the Indian Red Cross Society (constitution of Managing Body) Rules 1992.

2. The Managing Body shall at the first meeting held after its composition or election, elect from amongst themselves a Vice-Chairman.

3. An Ordinary Meeting of the Managing Body shall be held once a quarter at such time and at such place as may be fixed by the Chairman. At the meeting held in the last quarter of the year the Annual Budget of the Society for the succeeding year shall be considered.

4. An Extraordinary Meeting of the Managing Body may be called at any time by the Chairman.

5. Upon a requisition in writing made by any five members of the Managing Body, the Chairman shall call an Extraordinary Meeting.

6. Fourteen day's clear notice of any meeting of the Managing Body, specifying the place, day and hour of the meeting, and the general nature of the business to be transacted shall be given to every member of the Managing Body by post, provided that non receipt of such notice by a member for reasons beyond the control of the Society shall not render the proceedings invalid.

7. At meetings of the Managing Body five members shall form the quorum.

8. If no quorum is present within half an hour of the time fixed for a meeting, the same shall be adjourned to the next week to be held at the same time and at the same place. At such adjourned meeting, the business for which the meeting called may be transacted, whether a quorum is present or not.

9. In the event of an equality of votes at any meeting, the Chairman shall have a second or casting vote.

10. The Managing Body may from time to time, appoint representative(s) of the society to participate in meetings of the International Federation of Red Cross & Red Crescent Societies or to serve on its Committees convened for the consideration of objects which concern the Society, and may sanction all reasonable expenditures for such purposes.

11(i) The Managing Body shall, with the previous approval of the President appoint the Secretary General and the Treasurer of the Society.

11(ii) The term of office and the conditions of service of the Secretary-General and the Treasurer shall be as fixed by the Managing Body from time to time.

11(iii) Appointments of all other officers and staff at the Headquarters shall be made by the Secretary-General on the recommendations of appropriate Selection Committee to be appointed by Managing Body from time to time, subject to the conditions that—

(a) In the case of appointments to posts of Joint Secretary and Director, Blood Bank, the approved of the Managing Body shall be taken; and

(b) In the case of appointments to posts of Deputy Secretary and Director the approval of the Chairman shall be taken.

12. There shall be a Honorary Legal Advisor appointed to advise, render legal assistance and make representations on behalf of the Society as is required by the Society.

13. The Seal of the Society shall not be affixed to any instrument except by the authority of a resolution of the Managing Body and in the presence of one member of the Managing Body and Secretary-General or such other person as the Managing Body may appoint for the purpose; the member and Secretary-General or other person as aforesaid shall sign every instrument to which the Seal of the Society is so affixed in their presence.

14. Ordinary documents such as service agreements, leases etc. may be executed by the Secretary-General on behalf of the Society and Managing Body.

15. Any notice by the Society or the Managing Body shall be valid if given by the Secretary-General.

16. The Managing Body shall have the power to make Standing Orders for regulating its own procedure, the procedure of Committees appointed by it, and the duties of the Officers of the Society.

6. EXECUTIVE COMMITTEE :

1. At the first meeting in each year, the Managing Body may appoint an Executive Committee for the transaction of the current duties of the Society. The transaction of such Committee shall be duly recorded and laid before the Managing Body at its next meeting.

2. The Executive Committee shall consist of -

- (a) The Chairman and Vice-Chairman of the Managing Body,
- (b) Four members elected by the Managing Body from among its members,
- (c) Honorary Legal Advisor, and
- (d) not exceeding two members co-opted by the Executive Committee.

3. The Executive Committee shall ordinarily meet once a month provided that Chairman may convene a meeting of the Committee whenever in his opinion it is necessary. Four members shall form a quorum.

4. In case of an emergency arising, the Executive Committee may perform any duty laid on the Managing Body by these Rules; but in such case it shall report any action so taken to the Managing Body at the next meeting for confirmation.

7. FINANCE COMMITTEE :

1. The Managing Body shall appoint a Finance Committee consisting of the Vice-Chairman two members of the Managing Body the Honorary Legal Advisor, the Secretary General and the Treasurer.

2. All matters affecting the finances of the Society shall ordinarily be referred to the Finance Committee for advice and opinion before being determined by the Executive Committee or the Managing Body, as the case may be.

3. The Managing Body may empower the Finance Committee to transact and decide on matters of current financial business provided such business does not involve any departure from the objectives of the Society and the money involved is included in the budget estimates.

4. The Finance Committee may be empowered to sanction expenditure beyond the budget estimates upto a limit as may be determined by the Managing Body from time to time.

5. The Finance Committee may likewise empower the Secretary-General to incur expenditure of a routine nature involving no departure from the objectives of the Society in the sum involved is included in the budget estimates.

6. The Secretary-General may also be empowered by the Finance Committee to incur, when necessary, expenditure beyond the budget estimates upto a limit as may be determined by the Managing Body from time to time.

7. The Finance Committee may also empower the Secretary-General to sanction expenditure for such specific purposes for which donations have been received in cash or kind subject to subsequent report to the Managing Body. The Finance Committee may likewise empower the Secretary-General to incur expenditure in each ordinary case and in emergencies subject to reporting to the Finance Committee at its next meeting for ratification.

8. The Finance Committee shall be empowered to sanction grants in circulation.

9. The Finance Committee shall consider the report of the Auditors and scrutinize the annual accounts of the Society and shall prepare the annual budget and shall submit the same to the Managing Body for consideration. The detailed report of the Auditors shall be submitted to the Treasurer who will take necessary action on the report in consultation with the Secretary-General.

10. The Finance Committee shall ordinarily meet once every three months. Additional meetings may be called when necessary. Three members shall form the quorum.

11. The proceedings of the Finance Committee shall be laid before the Managing Body and the Executive Committee for consideration.

8. MEDICAL AND MATERNITY & CHILD WELFARE COMMITTEE :

1. The Managing Body shall appoint a Medical and Maternity & Child Welfare Committee consisting of the Vice-Chairman, the Secretary-General, the Director General of Health Service or his representative, the Director General of Armed Forces medical Services or his representative, the Surgeon to the President, one medical personnel from each of the four regions of the State/Union Territory branches, and two representatives of social organisation concerning maternity & child welfare activity.

2. The Committee shall advise on all such questions that may be referred to it either by the Managing Body or the Executive Committee or the Secretary-General.

3. Matters relating to maternity & Child Welfare work of the Society shall also be looked after by this Committee.

4. The Committee shall administer the Lady Chelmsford All India League for Maternity and Child Welfare Fund and the Victoria Memorial Scholarship Fund and shall carry on the activities of these bodies.

5. The Committee shall assume the management of any other funds or money intended for Maternity & Child Welfare in India and entrusted by the Managing Body of the Society.

6. The separate identity of the funds specified or any other formally constituted funds entrusted to the Committee shall be preserved. A separate budget and statement of accounts shall also be maintained for each of the funds as long as it may, with the annual income by way of interest on the original corpus, be possible to support distinct national programmes.

7. The Committee shall ordinarily meet once every six months at such time and place as may be fixed by the Chairman of the Committee. Additional meetings may be called when necessary. During such meeting five members shall form the quorum.

8. The budget of the funds and the minutes of the Committee shall be laid before the Managing Body and the Executive Committee for consideration.

9. The three lakhs of rupees allocated from the Silver Jubilee Fund, India 1925, for Indian Army Child Welfare and handed over to the Society for administration and all transactions connected therewith shall be shown separately in the Lady Chelmsford All India League for Maternity and Child Welfare Fund budget.

9. ANY OTHER COMMITTEE (S) :

The Managing Body may appoint such other Committee(s) for specific task(s) and for such duration as it may consider necessary from time to time.

The proceedings of such Committee(s) shall be laid before the Managing Body and the Executive Committee for consideration.

10. BANKERS :

The Bankers of the Society and all the fund, administered by the Society shall be the State Bank of India and/or any other nationalised bank as the Managing Body may name from time to time for maintenance of current accounts or saving bank accounts and short term or fixed deposits.

11. AUDITORS :

The annual accounts of the Society as well as fund administered by the Society shall be audited by a practicing Chartered Accountant to be appointed as a statutory Auditor for the purpose of compilation and certification of account.

12. INVESTMENTS :

All investments of funds shall be held in any of the forms as provided under section 11 (3) of Income Tax Act 1961. Investments shall only be made or altered in accordance with Section 11(3) of the Income Tax Act 1961 with the approval of the Finance Committee which in turn will be reporting to the Managing Body.

2. All transactions involving expenditure of invested capital shall be authorised by a resolution of the Managing Body of the Society confirmed by the President of the Society.

3 All transactions, endorsements discharges and communications to the bankers of the funds and others concerned regarding investments including the placings and taking up of fixed deposits, shall be made only with the approval of the Chairman and the Treasurer.

4. The current and savings bank accounts of the Society and its allied funds shall be operated upon jointly by atleast two of the following officers of the Society :

(a) Secretary-General

(b) Joint Secretary

(c) Deputy Secretary/Director Incharge of Finance of the Society.

provided that in case of financial transactions exceeding Rs. 10,000/- one of the signatories shall necessarily be the Secretary-General.

13. INTERPRETATION :

Where any doubt arises as to the interpretation of these rules, it shall be referred to the Managing Body of the Society for a decision and the decision of the Managing Body shall be final.

14. REPPEAL AND SAVING :

1. On the commencement of these rules, every rule, regulation or order in force immediately before such commencement shall, in so far as it provides for any of the matters contained in these rules, cease to operate.

2. Notwithstanding such cessation of operation, any thing done or any action taken under the old rules, regulations or order, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these rules.

Dr. A. K. MUKHERJEE Secy. General

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 25th May 1995

No. V-33(13)-4/91-Estt IV.—In pursuance of section 25 of the E.S.I. Act, 1948 (34 of 1948) read with Regulation 10 of the E.S.I. (General) Regulations, 1950 and in supersession of the Corporation's notification No. V-33-4/84 Estt-IV dated 24-11-1988, the Chairman, ESI Corporation hereby reconstitutes the Regional Board for Delhi Region, which shall consist of the following members, namely :—

Chairman

1. The Labour Minister,
Delhi Govt. Delhi.

Vice-Chairman

2. The Labour Commissioner,
Delhi Govt. Delhi.
Member representative of the State Government
3. Shri M. S. Panwar,
Member, Delhi Vidhan Sabha
4, South Ganesha Nagar,
Patparganj Road, Delhi-92.

Officer directly in charge of the ESI Scheme in U.T. Delhi
Ex-Officio-Members

4. The Director (Medical) Delhi
ESI Scheme,
New Delhi.

Ex-Officio-Member

5. The Deputy Medical Commissioner,
ESI Corporation, North Zone,
New Delhi.

Employers' Representative

6. Shri S. K. Chaudhury,
General Secretary
Mayapuri Small Industries
Welfare Association
B-7, Mayapuri Industrial
Area Phase-2, New Delhi.

Employers' additional representatives

7. Shri Anil Bhargava,
President (Delhi Committee),
P. H. D. Chamber of Commerce &
Industry P. H. D. House
(opp. Games Village) New Delhi-16.

8. Shri Subhash Arya,
General Secretary,
whole sale Hosiery Merchants
Association, 63, Narayana Market,
Sadar Bazar, New Delhi.

Employees' representative

9. Shri Raj Kumar Gupta,
Finance Secretary, BMS,
5239, Ajmeri Gate,
Delhi-6.

Employees' additional representatives

10. Shri Avdhesh Goswami (HMS),
H. No 212, A Block,
Mold - Band Extension,
New Delhi-44.

11. Shri J. S. Dara,
President
Rashtriya Textile Mazdoor,
Congress (Regd.), (INTUC)
190, G. T. Road, Ajad Pur Village,
Delhi-33.

Member of the ESIC/ M.R.C. residing
in the State

12. Shri M. K. Garg,
66-B-Pocket 'C'
Gangotri Enclave,
Alaknanda (SFS)
New Delhi-19.

Ex-Officio-Members

13. Shri S. K. Wadhawan,
'Ashiana' Sector 'B'
Pocket 8/6034, Vasant Kunj,
New Delhi.
14. Shri P. B. Duggal,
E-222, New Rajinder Nagar,
New Delhi-60.
15. Shri R. M. Bhandari,
A-6, Maharani Bagh,
New Delhi-5.
16. Dr N. Hamsa,
Joint secretary,
All India Organisation of
Employers' Federation House,
Tansen Marg New Delhi.
17. Kaviraj G. L. Chanana,
A-24, Krishna Nagar Extension,
Patpar Ganj Road,
New Delhi

Member Secretary

18. The Regional Director,
ESI Corporation,
New Delhi.

L. B. PARIYAR, Director General

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 16th May 1995

CORRIGENDA

No. UT/DBDM/1165A/SPD-71G/94-95.—The following corrections in our notification No. UT/DBDM/843A/SPD71G/94-95 dated 30th January 1995 on page No. 490, 491 and 492 in the Gazette of India (Part III section 4) dated March 11, 1995.

Sl. No.	Page No.	Corrections
---------	----------	-------------

Monthly Income Plan 1994 (III)

- | Sl. No. | Page No. | Corrections |
|---------|----------|--|
| 11 | 491 | In the second line under the heading 'corrections' the word 'a' should be replaced by the word 'as' |
| 19 | 491 | Under the heading 'corrections', in the second line the word 'either' should be corrected as 'either,' |
| 28 | 491 | The word 'units in the 1st line under the heading 'corrections' should be replaced by the word 'units' |
| 38 | 492 | 'appearing in the 2nd line under the heading, 'corrections' should be replaced by — |

A. G. JOSHI
Joint General Manager
Business Development and Marketing

CORRIGENDA

No. UT/DBDM/1165A/SPD-52/94-95.—The following corrections in our notification No. UT/DBDM/840A/SPD-52/94-95 dated 1st February, 1995, on page No. 492 in the Gazette of India (Part III Section 4) dated March 11, 1995

Sl. No.	Page No.	Col. No.	Clause/ Sub-Clause	Corrections
---------	----------	----------	--------------------	-------------

Unit Linked Insurance Plan 1971 (ULIP 71)

- | Sl. No. | Page No. | Col. No. | Clause/ Sub-Clause | Corrections |
|---------|----------|----------|--------------------|---|
| 1 | 492 | 2 | Table | The word 'target' in the 1st line of the item (i) of Table under the heading 'Amount to be recovered' should be replaced by the word 'target' |
| 2 | 492 | 2 | Table | The word 'membership' in the 1st line of item (ii) of Table under the heading 'Category of Member' should be corrected as 'member-shin' |

A. G. JOSHI
Joint General Manager
Business Development and Marketing

The 18th May 1995

No. UT/DBDM/1175A/SPD84/94-95.—The amendments in the provisions of the Unit Scheme 95 formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) approved by the Executive Committee in the Meeting held on 9th May, 1995 are published herebelow

A. G. JOSHI
Joint General Manager
Business Development and Marketing

ANNEXURE

AMENDMENTS TO THE PROVISIONS OF UNIT SCHEME 95

(1) The second paragraph in Clause X on 'Sale of Units' is amended as :

The Trust shall thereafter send Unit Certificates in lots of 50,000 units each by registered post to the address given by the applicant. The Unit Trust shall endeavour to send the unit certificates as soon as possible but not later than six weeks from the date of acceptance of the application. The Unit Trust will not incur any liability for the loss, damage, mis-delivery or non-delivery of the unit certificates so sent.

(2) Sub-clause (3) of Clause XIII on 'Repurchase of Units' is amended as follows :

Subject to the provisions of sub-clauses hereof the Unit Trust shall, on request by the unitholder for repurchase, repurchase the units indicated in the unit certificate. The unit certificate so received shall be retained by the Trust for cancellation.

(3) Clause XX on 'Form of Unit Certificate' is substituted as :

Unit Certificate will be issued to the Unitholder. A Unit certificate shall be in Form B annexed hereto. Each unit certificate shall bear distinctive number the number of units represented by the certificate and the name of the unitholder.

(4) Sub-clause (7) of Clause XXV on 'Transfer of Units' is amended as follows :

Where units have been transferred the Trust shall record details of the transfers on the reverse of the unit certificate in the space provided for the purpose in such manner as may be decided by the Trust. Subject to the provisions contained

hereinabove the Trust shall register the transfer and return the Unit Certificate(s) to the Transferor within 30 days from the date of lodgement of the Unit Certificate(s) together with the relevant instrument of transfer.

(5) 1st paragraph of Sub-clause (5) of Clause XXVIII on 'Death or bankruptcy of a unit holder' is amended as :

In the event the nominee is a person eligible to hold units then at the desire of said nominee, the nominee may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a unitholder and continue to remain registered as a unitholder in respect of the units so desired be held subject to the conditions regarding minimum holdings. The Trust shall record the details of the nominee on the reverse of the Unit Certificate in the space provided for the purpose in such manner as may be decided by the Trust.

FORM-B

--EMBLEM--

UNIT TRUST OF INDIA

(INCORPORATION UNDER THE UNIT TRUST OF INDIA ACT 1963)

UNIT SCHEME 1995

(CLAUSE XX)

Unit Certificate No

No. of Units

--	--

This is to certify that the person/s named in this Certificate is/are the Registered Holder/s of within mentioned units, each of the face value of Rupees One Hundred, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 63), the Regulations framed thereunder and the Unit Scheme 1995.

Name/s

Place _____

Date : _____

FOR UNIT TRUST OF INDIA

Trustee Chairman

MEMORANDUM OF TRANSFER OF UNITS UNDER UNIT SCHEME 1995 MENTIONED OVERLEAF

Date/ Unit Certificate No.	Transfer No.	Name (s) of Transferee(s)/ Nominee	Authorised Signatory

FORM OF APPLICATION FOR REPURCHASE OF UNITS UNDER UNIT SCHEME 1995

Date _____

To

Unit Trust of India

I/We _____ offer to the Trust for repurchase at the repurchase price on the acceptance date all units under UNIT SCHEME 1995 comprised in the certificate.

The price of the units may be paid to me/us by cheque/bank draft.

Signature of Witness

Signature/s of holder(s)

nominee/legal heir

1. _____

2. _____

Name :

Address :

Address : _____

Acceptance date

For the use of Office

All correspondence regarding UNIT SCHEME 1995 may be addressed to UTI, Bombay Main Branch Office at

Commerce Centre-I, 28th Floor,
World Trade Centre,
Cuffe Parade, Colaba,
Bombay-400 005.

अन्वयक भारत सरकार मद्रास, फरीदाबाद द्वारा मद्रास

एन प्रकाशन निबंधक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1995

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD,
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1995